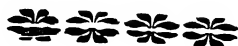


छी
नं पाल दमया
अऊन बाध

अञ्जना वीध



चवहः-

स्वर्गीय. आयुर्वेदीय चिकित्सक, वैद्य पन्नाप्रसाद जोशी

सर्वाधिकार सुरक्षित

मानबास लुमन्ति प्रकाशन
भसन कबलाखी, काठमाडौं

पिकाहः

मूल्यः Rs 3 - P. 0 0

बसन्त राज, असन, काठमाडौं नेपाल

ने. सम्बत्-

११००



जिगु निवेदन

थौकह्यु सकभनं बालक बालिकातयुत थव थवगु मातु
भाषां हे शिक्षा बियेगु चलनजुया बल । भोसनं थव मचातयुत
भीगु हे भाषां शिक्षा बियेगु यायेमाला । भाषा प्रेमी
निह्य प्यह्य सज्जन पनिसेनं पाठावलि पुथि व बाखंचातनं पित-
क्या ह्या च्वनगुदु, उकिया नाप नापं जिनं थ्व 'नेपाल देशया-
अक्षर बोध' पिक्या । आशादु थ्व अखल ह्यसीका . थ्व
मचातयुसं लिपा भीगु पुलां पुलांगु शिलालेख व प्थि
(ग्रन्थ) आदि स्वया भी देशया प्राचीन सभ्यता व भाषाया
विषये आपालं ज्ञान प्राप्तयाये फयी ।

थ्व अक्षर बोधया आखलया थासा दयेका वियादीह्य
शिल्पकला विज्ञ जोगरत्न सिन्दुराकारया जि अत्यन्त ऋणो
जुया च्वनागुदु, वय्कऽनं थुलि परिश्रमयाना थासादय्क
न्यूगुलिं थ्व सफू प्रकाशयायूगु अवसर दत ।

श्रीरस्तु

विनीत—

पम्नाप्रसाद जोशी

ॐ

स्ववर्धन नमोवागीश्वराय माआख३

अ आ इ ई

उ ऊ ऋ ॠ

ऌ ॡ ए ऐ

ओ औ अं अः

नमोवागीश्वराय

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ
लृ लृ ए ऐ ओ औ अं अः

अस्मात्

अ इ उ ऋ ॠ ए ऐ ओ औ
आ आ ऊ ऋ ॠ ए ऐ ओ औ

मैः नवर्ध

वाभाख

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म

य	व	ल	व
श	ष	स	ह

क ख ग घ ङ
 त थ द ध न
 प फ ब भ म

च छ ज झ ञ
 ट ठ ड ढ ण
 य र ल व

श ष स ह

स्वर्गसागव्यञ्जनवर्ध

क का कि की कु कू कृ कृ
क कै को कौ कं कः

ग ङ्ग ० धा था धा धा

गु तु भु शु हु जू तू भू हू

ऊ ऋ ॠ ह ऊ ॠ ॠ ह

ल लो लल लोलो लोलो लोलो

क का कि की कु कू कृ कृ

• के कै को कौ कं कः

गा आ ठा णा या धा शा

गु तु भु शु हु जू तू भू हू

जू तू भू हू जू तू भू हू

गे गे गो गौ - जे जे जो जौ

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

ठे ठे ठो ठौ णे णै णो णौ
 थे थे थो थौ धे धै धो धौ
 शे शै शो शौ ५

अध्यास

कत३ खलक गल घल कल चर्ग ऊन
 अग जाल गथा थासा धल पासा खापा रु
 ल मन गमाल किसि खिया कल मिसा
 पिवा लिसा खै कसा व क रुनि जिलाषि
 सुका कसा पूग कपा दम कंध खैव केव
 खै वाक् माक् पाठ विन पाल खाय रुक्
 आख ३ वीनमा ३ खायमड

ॐ

यसायाग व्यञ्जनवर्ध

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ म न
 ट ठ ड ढ ण त थ द ध न्य
 प र व श ष य ज्ञ ल व
 श ष र क

क ख ग घ ङ च छ ज्ञ म न
 ट ठ ड ढ ण त थ द ध न्य
 प र व श ष य ज्ञ ल व
 श ष र क

अस्माक

कल म्नाथ रवाक ग्नात वात १ स्नाक
 ध्मासा सात कस्मायाय मन्त्रु व्यानानमा ३
 मत वाकल ध्माकनस वान मन्त्रु द्वाकमत

५

नक्षत्रागवर्ध

क ख य घ ङ कृ कृ प्र
 ड ० उ रु ध ण थ द ध न
 ष रु व प्र म
 य ल ष ष व प्र ङ

क ख प्र प्र च छ प्र भू
 दू दू डू दू णू ल थ दू प्र न
 प्र फ प्र प्र प्र
 यू लू व शू षू लू ह

अस्मात्

कम भिद्य वज्र वज्र कृत् पृष्ठ प्रथम वज्र
 आना वा नक्त नाना यथ वज्र वीनि महाकाल
 पृष्ठ यात भिजा विथमा ३

तस्ययागवर्ध

वध गध घृ कृ लृ कु

कण गण राण णण हृ दण

अस्यास

गीकृ कृकृ प्राहृध नृध

नस्ययागवर्ध

कृ ख ग घ व कृ ज्ञ ज्ञ

न ध द ध न न रू व रू म

य ल श स न

क रू न म घ न छ न ज्ञ मन

ब भ ह ध न म पन न भ स

ज ल श स ह

अस्यास

नन विघ्न यत्त पञ्च नन श्या कन मयू

विघ्न पाप मर्षेय्य सलस यागमा १

मर्षयागवर्ध

का खग म घा वा झ ञ्ज म
 द्र ञ्ज झ ध ल थ द ध म
 म ख वा ल म य न ल ञ्ज
 भ म ल म

क म ल म ध म च म छ म ज म भ म
 द म ठ म ड म ढ म ण म त म थ म ड म ध म न म
 प म फ म ब म म म य म न म ल म व म
 श म ष म स म ह

अस्मात्

द्वम आधान आत्मा पत्र कल पाप
 पत्रा सनस वानक्त विरूयात ननस्कानया
 य सफल या आत्मा कसियक गाल शल

वर्णयोगवर्ध

क ख ग घ ङ च छ ज ञ
 ट ठ ड ढ ण त थ द ध न
 प फ ब भ म य र ल
 श ष स ह

क ख ग घ ङ च छ ज ञ भव
 ट ठ ड ढ ण त थ द ध न्व
 प फ ब भ म य र ल्व
 श ष स ह

अस्मात्

कातु खातु खाकि धाकल दाल ता
 कल प्याकल लाथल काकै लामी धाछल
 गाना खँ कातु के मा १ बस १ खातु ग पूने
 मा १ खाकि झमिसा दालक खँ ज्ञानावान
 मधू बामा धाक १ विनाबल लाकलस न
 या पालना १ खापूरस निरादनि

पूर्वभागीययक्षसर्वधर्मायाम

कं खं गं घं चं छं जं
 छं छं छं छं छं न न्य न्द न्ध न
 म् म् म् म् म् म्

कं खं गं घं चं छं जं
 सट एठ एह एह एण न्त न्य न्द न्ध न
 म् म् म् म् म् म्

अस्मात्

ककैल ठाखं गजं सधं धर्मला वक्ष
 ल लाक्षुन गजल जमट टट्टा कछा
 दधु गलु गन्ध नन्दन सिन्धु कम्प पम्प
 वम्बाळ कम्बल सम्बल गम्भीन
 गजं स्त्राने यायमा १ सधं वलाके मा १ गजल
 ल ठाके मा १ मन वक्षल यायमम्बु मयाम्बु
 न धर्मला क्वाके मा १

वेदानुधनं जगन्निबहकं
 ह्यगमलमृद्विजुगं ॥
 देह्ये दानयकं वलिं कृत्यकं
 अग्न्यक्यं कूर्वकं ॥
 पोलस्त्रं गयकं हरीकलयकं
 कान्नुधमा कन्वकं ॥
 सक्कान् मूर्यकं दध्मकृत्तिक्कं
 कृष्णयदुर्यं नमः ॥

सार्धं

१
७

२
१

३
७

४
२

५
०

१

२

३

४

५

६

७

८

९

०

अरुमस्तु

शक्ति

थाकुम्ह-

अजन्ता आर्ट प्रेस—जंताबाड़ी-वाराणसी